हम चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार

बाबर ने कहा कि वह टेस्ट मैच में तिहरा शतक बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप शतक बनाते हैं तो उसे दोहरे शतक में और दोहरे को तिहरे शतक में बदलना चाहते हैं। मैं भी यही करना चाहूंगा।' उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व कप्तान सरफराज अहमद की मौजूदगी के बावजूद पाकिस्तानी ड्रेसिंग रूम में कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि नियमित विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान ही खेलेंगे जबकि सरफराज को रिजर्व रखा गया है।

मेरी तुलना कोहली या किसी अन्य भारतीय खिलाड़ी से क्यों

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पाकिस्तान के सीमित ओवरों के कप्तान बाबर आजम भारतीय कप्तान विराट कोहली से लगातार तुलना से उकता गए हैं और उनका कहना है कि पाकिस्तान के महान बल्लेबाजों से उनकी तुलना होनी चाहिए। कोहली से छह साल छोटे बाबर को विभिन्न प्रारूपों में कोहली के जबर्दस्त रेकॉर्ड के करीब पहुंचने के लिए अभी लंबा सफर तय करना है। भारतीय कप्तान के खाते में 70 अंतरराष्ट्रीय शतक हैं और तीनों प्रारूपों में उनका औसत 50 से अधिक है। बाबर ने एक ऑनलाइन मीडिया सत्र में कहा, 'मुझे अधिक खुशी होगी अगर मेरी तुलना जावेद मियांदाद मोहम्मद युसूफ या यूनिस खान से होगी। कोहली या किसी अन्य भारतीय से तेरी तुलना क्यों।' बाबर ने 16 अंतरराष्ट्रीय शतक जमाए हैं और वनडे था टी20 में उनका औसत 50 से अधिक है जबकि टेस्ट में उनका औसत 45.12 है । उन्होंने यह भी कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ आगामी सीरीज में किसी एक गेंदबाज को वह निशाना नहीं बनाएंगे।

मैदान पर विकेट के पीछे महेंद्र सिंह धोनी की कमी खलती है

क्रिकेट

कुलदीप यादव ने कहा धोनी की क्रिकेटीय समझ है शानदार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। महेंद्र सिंह धोनी से मैदान पर काफी बारीकियां सीखने वाले भारतीय लेग स्पिनर कुलदीप यादव को उनकी कमी खलती है। कुलदीप का मानना है कि विकेट के पीछे पूर्व कप्तान के रहने से उनके जैसे गेंदबाजों को काफी मदद मिलती थी। धोनी ने पिछले साल विश्व कप के बाद से क्रिकेट नहीं खेला है। आईपीएल के जरिए उनकी वापसी के कयास लगाए जा रहे थे लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण आईपीएल स्थगित है।

धोनी ने जगाया आत्मविश्वासः कुलदीप ने कहा कि मैदान पर धोनी की कमी उन्हें खलती है जो विकेट के पीछे से काफी मददगार साबित होते थे। उन्होंने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के कार्यक्रम क्रिकेटबाजी में दीप दासगुप्ता से कहा, 'मैने जब करियर की शुरुआत की तो मैं पिच को भांप नहीं पाता था। धोनी के साथ खेलने के बाद मैने वह सीखा। वह बताते थे कि गेंद को कहां स्पिन कराना है। वह फील्ड जमाने में भी माहिर हैं। उन्हें पता होता था कि बल्लेबाज कहां शॉट खेलेगा और उसी के हिसाब से फील्ड लगाते थे।' उन्होंने कहा, 'इससे मुझे अधिक आत्मविश्वास के साथ गेंदबाजी में मदद मिली। जब से वह वनडे क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं, यह भी चला गया।'

स्मिथ और डि विलियर्स को बोलिंग करना मुश्किलः कुलदीप का कहना है कि ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और साउथ अफ्रीका के एबी डि विलियर्स ऐसे दो बल्लेबाज हैं जिनके बल्ले पर अंकुश लगाना सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। पिछले साल लंबे समय खराब दौर का सामना करने वाले यादव ने कहा कि दोनों बल्लेबाजों में अनूठी क्षमताएं हैं। उन्होंने कहा, 'स्मिथ ज्यादातर बैकफुट पर खेलते हैं और काफी देर से भी खेलते हैं लिहाजा उन्हें गेंद डालना चुनौतीपूर्ण होता है।' उन्होंने कहा, 'वनडे में एबी डिविलियर्स बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनका अलग ही अंदाज है। अब वह खेल को अलविदा कह चुके हैं जो अच्छी बात है। इनके अलावा मुझे और किसी बल्लेबाज से उतना डर नहीं लगा।'

तरकश में तीर कम थेः पिछले साल के खराब फॉर्म के बारे में उन्होंने कहा कि उनकी तरकश में कुछ तीर कम थे और टीम में लगातार नहीं होने से भी उनके प्रदर्शन पर असर पड़ा। उन्होंने कहा, 'मैने विश्व कप 2019 के लिए जाने से पहले काफी तैयारी थी लेकिन मैं आईपीएल (च्ष्) की विफलता से उबरना चाहता था। मैने ज्यादा विकेट नहीं लिए लेकिन विश्व कप में अच्छी गेंदबाजी की।' कुलदीप ने कहा, 'उसके बाद से मैं टीम में भीतर–बाहर होता रहा। लगातार नहीं खेलने पर आप दबाव में आ जाते हैं और आत्मविश्वास भी हिल जाता है। मेरे कौशल में भी कुछ कमी रह गई थी।'

मंकीगेट विवाद पर बोले हरभजन बात को वर्ल्ड वॉर 3 बना दिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। साल 2007–08 की ऑस्ट्रेलिया सीरीज में हरभजन सिंह और एंड्रू सायमंड्स के बीच हुए विवाद की चर्चा आज भी होती है। वह विवाद इतना बढ़ गया था कि दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों पर खतरा मंडराने लगा था। साल उस घटना को इतने साल बीत जाने के बावजूद इस विवाद ने हरभजन का पीछा नहीं छोड़ा है। हालांकि खुद हरभजन का कहना है कि इसे जरूरत से ज्यादा तूल दिया गया।

मुद्दे को वर्ल्ड वार 3 बना दिया शुक्रवार को अपने 40वें जन्मदिन के मौके पर नवभारत टाइम्स के साथ खास बातचीत में उन्होंने कहा, जो हुआ उसे जरूरत से ज्यादा हवा दी गई। मामला वहीं

हमें व्यक्तिगत रूप से कोई समस्या नहीं: हरभजन सिंह

का वहीं ग्राउंड पर सुलझ सकता था। मैदान में सौ ऐसी चीजें होती हैं जो मैच रेफरी या मीडिया तक नहीं पहुंचतीं। मैदान पर खिलाड़ी एक–दूसरे को स्लेज करते हैं तो उसको मीडिया तक लेकर नहीं जाते। मगर उस मामले को ऐसा बना दिया गया था जैसे कि वर्ल्ड वॉर 3 हो। इतनी बड़ी बात थी नहीं।

हमारी उपलब्धियों को याद नहीं रखतेः हरभजन हालांकि मानते हैं कि जो भी हुआ वह सही तो नहीं था क्योंकि उस टूर को लोग गलत वजहों से याद रखते हैं। हम उस टूर की उपलब्धियों को ज्यादा याद नहीं करते। तब भारत ने पर्थ में टेस्ट मैच जीता था। हमारे दौर में पहली बार वहां वनडे की सीरीज जीती थी।

क्या उनकी इस बारे में ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटरों से बात हुई? इस सवाल के जवाब में भारत के दूसरे सबसे कामयाब स्पिनर ने माना कि सायमंड्स, रिकी पॉन्टिंग और मैथ्यू हेडन से इस विवाद पर कई बार चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि हम सभी का मानना है कि चीजें तब की तब वहीं पर रोक देनी चाहिए थीं। हममें से कोई नहीं चाहता कि इस तरह का विवाद हो जिस पर उम्र भर जवाब देना पड़े। आज मैं कह सकता हूं कि व्यक्तिगत तौर पर हममें से किसी को किसी के साथ समस्या ना थी और ना अब है।

हरभजन ने कहा, हां, मैदान पर जब आप देश का प्रतिनिधित्व करते हैं तो कई बार इस तरह की बहस और गरमा गरमी हो जाती है।

यूनिस ने रखा फ्लावर के गले पर चाकू? पीसीबी का टिप्पणी से इनकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और इंग्लैंड दौरे पर गई राष्ट्रीय टीम ने पूर्व बल्लेबाजी कोच ग्रांट फ्लावर के इस दावे पर टिप्पणी से इनकार कर दिया कि पूर्व कप्तान यूनिस खान ने एक बार अनचाही सलाह देने पर उनके गले पर चाकू रख दिया था। फ्लावर ने यह सनसनीखेज आरोप एक क्रिकेट पॉडकास्ट में लगाए जिसमें उन्होंने 2014 से 2019 तक पाकिस्तानी टीम के साथ अपने अनुभव के बारे में बताया। यूनिस इस समय पाकिस्तान के बल्लेबाजी कोच हैं। पीसीबी ने इस पर कोई आधिकारिक जवाब नहीं दिया है लेकिन बोर्ड के एक जानकार सूत्र ने बताया कि यह घटना 2016 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ब्रिसबेन की है। सूत्र ने कहा कि यह कोई संजीदा धमकी नहीं थी बल्कि नाश्ते की टेबल पर किया गया हल्का–फुल्का मजाक था। सूत्र ने कहा, 'ग्रांट फ्लावर इसे जिस तरह से पेश कर रहे हैं, वह गलत है। यूनिस ने मजाक में मक्खन लगाने वाला चाकू उठाकर ग्रांट के सामने रखकर कहा था कि नाश्ते की टेबल पर सलाह देने की बजाय उन्हें चैन से खाने दें।' फ्लावर ने उस घटना के बारे में कहा है कि मुख्य कोच मिकी आर्थर को बीच बचाव करके यूनिस को शांत करना पड़ा था।

न्यूज डायरी

हैपी बर्थडे रिचर्ड हैडलीः न्यूजीलैंड का सर्वकालिक महान क्रिकेटर!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आज सर रिचर्ड हैडली का जन्मदिन है। उन्हें क्रिकेट की दुनिया के सर्वकालिक महान तेज गेंदबाजों में शामिल किया जाता है। न्यूजीलैंड के इस दिग्गज क्रिकेटर का जन्म 3 जुलाई 1951 को ऑकलैंड में हुआ था। उनकी रफ्तार, एक्सुरेसी और लगातार गेंदबाजी करने की क्षमता ने कीवी टीम को नए मुकाम पर पहुंचाया। लंबे समय तक वह न्यूजीलैंड की गेंदबाजी आक्रमण की बागडोर अकेले संभाले रहे। टेस्ट क्रिकेट में 400 विकेट लेने वाले वह पहले गेंदबाज थे। भारत के संजय मांजरेकर हैडली के 400वें शिकार बने थे। उन्होंने 86 टेस्ट मैचों में 431 विकेट लिए। न्यूजीलैंड की टीम ने ऑस्ट्रेलिया में तब तक कोई टेस्ट मैच नहीं जीता था। सन 1985–86 में ब्रिसबेन में उन्होंने गेंद से धमाल किया और पहली पारी में 52 रन देकर नौ विकेट लिए। उन्होंने मैच में कुल 15 विकेट अपने नाम किए।

विश्व कप 2019 के समय पाकिस्तानी टीम में डर का माहौल थाः इंजमाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पाकिस्तान के पूर्व मुख्य चयनकर्ता इंजमाम–उल–हक ने दावा किया है कि 2019 विश्व कप के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों में असुरक्षा का माहौल था। उन्होंने कहा कि सरफराज अहमद को तुरंत कप्तानी से हटाने की बजाय उसे और समय दिया जाना चाहिए था। इंजमाम ने कहा कि कप्तानों को समय दिए जाने की जरूरत है ताकि वे अनुभव के साथ बेहतर हो सकें। उन्होंने कहा, 'पिछले विश्व कप में भी मुझे लगा कि कप्तान और खिलाड़ी काफी दबाव में हैं। उन्हें डर था कि अच्छा नहीं खेलने पर उन्हें टीम से निकाल बाहर किया जाएगा। ऐसा माहौल क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है।' इंजमाम ने एक टीवी चौनल से कहा, 'सरफराज ने पाकिस्तान के लिए कुछ अच्छी जीत दर्ज की हैं। वह अच्छा कप्तान बन रहे थे लेकिन जब वह अपने अनुभव और गलतियों से सीख चुके थे, उन्हें पद से हटा दिया गया।' इंजमाम 2016 से 2019 विश्व कप कप मुख्य चयनकर्ता रहे और अधिकांश समय सरफराज ही कप्तान थे।

लेफ्टिनेंट कर्नल भरत पन्नू ने पूरी की मुश्किल साइकिल रेस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। लेफ्टिनेंट कर्नल भरत पन्नू ने इंडोर 4,000 किलोमीटर पैडल चलाकर 'वर्चुअल' मंच पर आयोजित हुई 'रेस एक्रोस अमेरिका (आरएएएम) अपने नाम की। साइकिलिंग में आरएएएम को मुश्किल रेस में से एक समझा जाता है। कोरोना वायरस के कारण इस साल आयोजकों ने इसे 'वर्चुअली' कराने का फैसला किया है जिसमें पूरी दुनिया के साइकिल सवारों ने इंडोर ट्रेनर में प्रतिस्पर्धा की। जहां 'टूर डि फ्रांस' चरणों में आयोजित होती है तो वहीं आरएएएम में साइक्लिस्ट को सोने के समय को भी त्यागकर निर्धारित समय में रेस पूरी करनी होती है। अमेरिका में होनी वाली रेस में यह कई जगहों पर होती है जिसमें रेगिस्तान की गर्मी, पहाड़ी दर्रों की सर्दी और तेज हवाओं में साइकिल चलानी होती है। वर्चुअल रेस में यह सब नहीं था, लेकिन अन्य चुनौतियां शामिल थीं। इसमें इंडोर में काफी लंबे समय तक साइकिल चलाने के अनुभव की कमी होना भी कई प्रतिस्पर्धियों के लिए मुश्किल रहा।

नोवाक जोकोविच के चाहने वालों के लिए खुशखबरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लग्रेड। नोवाक जोकोविच ने कहा कि वह और उनकी पत्नी अब कोरोना वायरस की जांच में नेगेटिव आए हैं। शीर्ष रैंकिंग का यह खिलाड़ी एक प्रदर्शनी सीरीज में खेलने के बाद कोविड–19 पॉजिटिव आया था। इस प्रदर्शनी सीरीज का आयोजन जोकोविच ने ही सर्बिया और क्रोएशिया में किया था जिसमें महामारी के दौरान सामाजिक दूरी के नियमों का पालन नहीं किया गया। उनकी मीडिया टीम ने कहा, 'नोवाक जोकोविच और उनकी पत्नी येलेना कोविड–19 जांच में नेगेटिव आए हैं। बेलग्रेड में दोनों के पीसीआर परीक्षण में यह रिपोर्ट आयी।' इस बयान में कहा गया कि दोनों में कोई लक्षण नहीं थे और 10 दिन पहले कोविड–19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद दोनों सर्बिया की राजधानी में क्वॉरेंटीन में रह रहे थे।